PRESS RELEASE

WORLD DRAWN TO INVEST IN INDIA OWING TO ITS STRONG DEMOCRATIC FOUNDATIONS: LOK SABHA SPEAKER/आज दुनिया भारत में निवेश करना चाहती है क्योंकि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था उसे आकर्षित करती है: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA'S SOCIAL AND ECONOMIC TRANSFORMATION REFLECTS THE VISION AND RESILIENCE OF ITS BUSINESS COMMUNITY: LOK SABHA SPEAKER/जहाँ लोकतंत्र होता है, वहाँ स्थिर और मज़बूत शासन होता है, जिससे नीतिगत निर्णय बेहतर होते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA EMERGING AS A GLOBAL HUB FOR CLEAN AND GREEN ENERGY, OFFERING SOLUTIONS TO ENVIRONMENTAL AND CLIMATE CHALLENGES: LOK SABHA SPEAKER/भारत भविष्य में पर्यावरण और जलवायु संकट से निपटने के लिए दुनिया को राह दिखाएगा: लोक सभा अध्यक्ष

…

WOMEN'S PARTICIPATION ACROSS SECTORS RISING SIGNIFICANTLY; WOMEN TO PLAY A PIVOTAL ROLE IN BUILDING A DEVELOPED INDIA: LOK SABHA SPEAKER/विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ; वे विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES 'INDIA@100: AN AGE OF A NEW DAWN' TO MARK THE 125TH ANNIVERSARY OF THE BHARAT CHAMBER OF COMMERCE IN KOLKATA/लोक सभा अध्यक्ष ने भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स की 125वीं वर्षगांठ पर "“INDIA@100: अन एज ऑफ ए न्यू डॉन" विषय पर संबोधन दिया।

…

Kolkata, 03 November 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today stated that the world is increasingly looking to invest in India, attracted by its strong and vibrant democratic system. Highlighting India's remarkable economic and

technological progress, he observed that under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, the nation is advancing rapidly towards becoming a global economic powerhouse.

Shri Birla underscored the government's commitment to fostering a business-friendly environment by promoting minimum government, maximum governance, reducing bureaucratic hurdles, and enabling industrial expansion. Encouraging the private sector to enhance investment in research and development and match global standards, he welcomed the Prime Minister’s assurance that the government will complement such efforts, thereby strengthening India’s march towards global leadership in innovation.

Shri Birla made these remarks while addressing the 125th Anniversary Celebrations of the Bharat Chamber of Commerce in Kolkata, held under the theme “INDIA@100: An Age of a New Dawn.” The event brought together distinguished leaders from industry and commerce, reflecting India’s economic progress and its aspirations as the nation approaches the centenary of Independence.

https://x.com/ombirlakota/status/1985316332892831873

Describing the Bharat Chamber of Commerce as a source of inspiration for business chambers across the country, Shri Birla praised its unwavering commitment to the public good and its pioneering efforts in promoting corporate social responsibility. He remarked that India’s remarkable transformation across social and economic spheres—even in an increasingly complex global environment—stands as a testament to the vision, resilience, and entrepreneurial spirit of its business community.

Commending the Chamber for its historic contributions to India’s economic, industrial, and social development, he recalled its beginnings as the Marwari Chamber of Commerce. Shri Birla lauded the institution’s proud 125-year journey, characterized by resilience, foresight, and dedicated service to the nation.

https://x.com/ombirlakota/status/1985316347186938319

Speaking on India’s democratic strength, Shri Birla stated that visionary leadership, coupled with stability and inclusiveness, has made India a model democracy for the world. He noted that democracy in India is not merely a system of governance, but a way of life deeply embedded in the nation’s social and cultural ethos. He further emphasized that India’s robust democratic institutions ensure policy continuity and foster investor confidence—both essential for sustaining long-term economic growth.

He observed that where democracy thrives, strong and stable governance follows, enabling sound policy decisions and effective implementation. Shri Birla also highlighted India’s emergence as a global hub for innovation and research, noting that strong public–private collaboration in technology and R&D is propelling the country toward leadership in cutting-edge industries.

Discussing the role of women and youth in inclusive development, Shri Birla stated that their rising participation across sectors reflects a profound social transformation. He noted that women's engagement in diverse fields has increased significantly, and emphasized that they will continue to play a pivotal role in building a developed and self-reliant India. He also highlighted the contribution of youth and entrepreneurs in driving innovation, creativity, and enterprise, shaping the nation's future with energy and vision.

Reaffirming the vision of Atmanirbhar Bharat, Shri Birla called for closer collaboration among industry, government, and academia to build a resilient and self-sustaining economy. He observed that India is poised to become a global hub for clean and green energy, and expressed confidence that the nation will lead the world in addressing environmental and climate challenges in the years ahead.

Acknowledging West Bengal's historic and ongoing contributions to India's progress, Shri Birla remarked that the state has long been a cradle of intellectual, cultural, and industrial excellence. He noted that Bengal has produced eminent thinkers, poets, reformers, and industrial pioneers, and has been at the heart of India's freedom movement. He added that the state's enduring spirit of innovation, creativity, and enterprise continues to inspire the nation.

कोलकाता, 03 नवंबर 2025: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि भारत की मज़बूत और जीवंत लोकतांत्रिक व्यवस्था से आकर्षित होकर, दुनिया तेज़ी से भारत में निवेश करने के लिए उत्सुक है। भारत की उल्लेखनीय आर्थिक और तकनीकी प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

श्री बिरला ने न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को बढ़ावा देकर, नौकरशाही बाधाओं को कम करके और औद्योगिक विस्तार को सक्षम बनाकर व्यापार-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। निजी क्षेत्र को अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने और वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने प्रधानमंत्री के इस आश्वासन का स्वागत किया कि सरकार ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाएगी, जिससे नवाचार में वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत की प्रगति को बल मिलेगा।

श्री बिरला ने ये विचार कोलकाता में आयोजित भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स की 125वीं वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए, जिसका विषय था "INDIA@100: अन एज ऑफ ए न्यू डॉन "। इस आयोजन में उद्योग और वाणिज्य जगत के प्रतिष्ठित नेताओं ने भाग लिया, जो भारत की आर्थिक प्रगति और स्वतंत्रता की शताब्दी के निकट आते राष्ट्र की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है।

भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स को देशभर के व्यावसायिक मंडलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए, श्री बिरला ने इसके लोकहित के प्रति अटूट समर्पण और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) को बढ़ावा देने में अग्रणी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भारत का अद्भुत परिवर्तन—भले ही यह लगातार जटिल होते वैश्विक परिवेश में हुआ हो—देश के उद्योग जगत की दूरदृष्टि, दृढ़ता और उद्यमशीलता की भावना का प्रमाण है।

भारत की आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में चैंबर के ऐतिहासिक योगदान की सराहना करते हुए, उन्होंने इसके प्रारंभ को मारवाड़ी चैंबर ऑफ कॉमर्स के रूप में याद किया। श्री बिरला ने संस्था की 125 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा की प्रशंसा की, जिसे दृढ़ता, दूरदृष्टि और राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा की भावना ने परिभाषित किया है।

भारत की लोकतांत्रिक शक्ति पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि दूरदर्शी नेतृत्व, स्थिरता और समावेशिता के संयोजन ने भारत को विश्व के लिए एक आदर्श लोकतंत्र बना दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत में लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक भावना में गहराई से रचा-बसा जीवन का एक तरीका है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि भारत की सशक्त लोकतांत्रिक संस्थाएँ नीति निरंतरता सुनिश्चित करती हैं और निवेशकों के विश्वास को सुदृढ़ करती हैं—जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि जहाँ लोकतंत्र फलता-फूलता है, वहाँ मजबूत और स्थिर शासन स्थापित होता है, जो सुदृढ़ नीतिगत निर्णयों और प्रभावी क्रियान्वयन को संभव बनाता है। श्री बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि भारत नवाचार और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र बनकर उभरा है, और प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास (R&D) में मज़बूत सार्वजनिक–निजी सहयोग देश को अत्याधुनिक उद्योगों में नेतृत्व की दिशा में अग्रसर कर रहा है।

समावेशी विकास में महिलाओं और युवाओं की भूमिका पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनकी बढ़ती भागीदारी एक गहन सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने उल्लेख किया कि विविध क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, और इस बात पर बल दिया कि वे एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार, सृजनात्मकता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में युवा और उद्यमियों का योगदान राष्ट्र के भविष्य को ऊर्जा और दूरदृष्टि के साथ आकार दे रहा है।

आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को दोहराते हुए, श्री बिरला ने उद्योग, सरकार और अकादमिक जगत के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया ताकि एक मज़बूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ और हरित ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भारत पर्यावरण और जलवायु से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में विश्व का नेतृत्व करेगा।

पश्चिम बंगाल के भारत की प्रगति में ऐतिहासिक और निरंतर योगदान को स्वीकार करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यह राज्य लंबे समय से बौद्धिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि बंगाल ने महान चिंतकों, कवियों, समाज सुधारकों और औद्योगिक अग्रदूतों को जन्म दिया है और यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नवाचार, सृजनशीलता और उद्यमशीलता की बंगाल की यह स्थायी भावना आज भी पूरे राष्ट्र को प्रेरित करती है।